SEMESTER - I
MIL Hindi (AEC-1)
Theory 02 credits

Course Objectives

हिंदी व्याकरण के कुछ महत्वपूर्ण पक्षों, हिंदी रचना के विभिन्न रूपों और प्रयोजनमूलक हिंदी के कार्यालयी पक्षों से अवगत कराना इस पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसके साथ ही हिंदी काव्य और गद्य के कुछ चुनिंदा और रोचक रचनाओं से आपको परिचित कराना भी इस पाठ्यक्रम के उद्देश्यों में शामिल है। यह पत्र एक हद तक रोजगरोन्मुखी पत्र भी है।

MIL Hindi (AEC-01) Theory 2 credits			
Unit	**Topics to be covered**	**No. of Lectures**	**L-T-P 2 -1- 0 Per weak**
1.	• हिंदी की ध्वनियाँ और उसके प्रकार, उच्चारण, लिपि की आवश्यकता, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और उसके मानकीकरण का प्रश्न • निबंध - लेखन, संक्षेपण, पल्लवन(Expansion), अवबोध(Comprehension), हिंदी मुहावरे और कहावतें, हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद • कार्यालयी हिंदी : सरकारी पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण (मसौदा लेखन), राजभाषा, राज्यभाषा, संपर्क भाषा, संविधान की अष्टम अनुसूची और उसके निहितार्थ	10	
2.	➢ **हिंदी की चयनित गद्य रचनाएँ** • कहानी : 'बेटोंवाली विधवा' (प्रेमचंद) • निबंध : 'भय' (रामचंद्र शुक्ल) • ललित निबंध : 'गेहूँ और गुलाब' (रामवृक्ष बेनीपुरी) • संस्मरण : 'श्री राहुल सांकृत्यायन' (रामधारी सिंह दिनकर) • व्यंग निबंध : 'सदाचार का ताबीज' (हरिशंकर परसाई) • एकांकी : 'बाबर की ममता' (देवेन्द्रनाथ शर्मा)	10	
3.	➢ **हिंदी की चयनित कविताएँ : काव्यांश**	10	

	• **कबीर** : साखी : 'करणीं बिना कथणीं कौ अंग' तथा 'कथणीं बिना करणीं कौ अंग' (कबीर ग्रंथावली : संपादक माताप्रसाद गुप्त) • **मलिक मुहम्मद जायसी** 'मंडप गमन खंड' (पद्मावत: सं. वासुदेव शरण अग्रवाल) • **तुलसी दास :** 'रामचरितमानस (बालकांड) गीता प्रेस, गोरखपुर, पुष्पवाटिका प्रसंग ; दोहा संख्या 226 से 236 तक • **भारतेंदु** : 'भारत-दुर्दशा' • **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** : 'राजे ने अपनी रखवाली की' ('राग विराग': संपादक रामविलास शर्मा) • **रामधारी सिंह दिनकर** : 'अघटन घटना क्या समाधान' कविता ('बापू' नामक संग्रह)		
	कुल	**30**	

COURSE OUTCOMES

इस पत्र से विद्यार्थी हिंदी भाषा की ध्वनियों, लिपि और वर्त्तनी का परिचय प्राप्त कर भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन के साथ भाषाई सम्प्रेषण एवं संवाद में दक्ष हो सकेंगे। हिंदी-लेखन के अनेक रूपों - निबंध, संक्षेपण, पल्लवन, अवबोध आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे। प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ उपयोगी रूपों से परिचित होंगे। हिंदी की कुछ रचनाओं के आस्वादन से अपनी संवेदना का विस्तार कर सकेंगे। विद्यार्थियों की रचनात्मकता का विकास होगा। यह पत्र मूलतः हिन्दी के व्यावहारिक और व्याकरणिक पक्ष को एकसाथ मजबूत करनेवाला है। पत्र रोजगार की दृष्टि से भी उपयोगी है।

सहायक पुस्तकें -

1. हिंदी शब्दानुशासन: किशोरीदास बाजपेयी
2. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : वासुदेवनंदन प्रसाद
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : माधव सोनटक्के
5. प्रयोजनमूलक भाषा कार्यालयी हिंदी : कृष्ण कुमार गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाश चंद्र भाटिया
7. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि : राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव
8. कवि -समीक्षा : आनंद नारायण शर्मा